विश्वेश्वरय्या राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान

ग्रंथालय वाणी

पुस्तकालय समाचार पत्र

खण्ड : 2, अंक : I
जनवरी - जून , 2025

प्रोफेसर (डॉ.) प्रेम लाल पटेल, निदेशक

"यह बड़े गर्व की बात है कि वीएनआईटी पुस्तकालय के आधिकारिक समाचार-पत्र 'ग्रंथालय वाणी' का दूसरा अंक प्रस्तुत किया जा रहा है। यह पहल ज्ञान, साझाकरण, सहयोग और आजीवन सीखने को प्रोत्साहित कर एक गतिशील शैक्षणिक वातावरण के पोषण के प्रति हमारे समर्पण को रेखांकित करती है। एक महत्वपूर्ण ज्ञान केंद्र के रूप में पुस्तकालय संस्थान की शैक्षणिक गतिविधियों का समर्थन और संवर्धन करने में सदैव एक आवश्यक भूमिका निभाता रहा है। 'ग्रंथालय वाणी' का यह अंक प्रमुख पहलों, आयोजनों, संसाधनों और विकास को उजागर करने के साथ-साथ हमारे शैक्षणिक समुदाय के योगदान को साझा करने के लिए एक सशक्त मंच के रूपमें परिकल्पित है।

मैं संपादकीय टीम को इस प्रयास के लिए हार्दिक बधाई देता हूँ और इस प्रकाशन की भविष्य में निरंतर सफलता और प्रभावशीलता की कामना करता हूँ।"

पुस्तकालय समाचार-पत्र 'ग्रंथालय वाणी' के इस दूसरे अंक के माध्यम से आपसे संवाद करते हुए मुझे अत्यंत प्रसन्नता हो रही है। आज के शैक्षणिक परिवेश में पुस्तकालय केवल सहायक केंद्र नहीं रह गए हैं वे शिक्षण, अधिगम और अनुसंधान का अभिन्न अंग बन चुके हैं। हमारा पुस्तकालय संकाय सदस्यों, शोधार्थियों और विद्यार्थियों को ज्ञान, अनुसंधान तथा डिजिटल संसाधनों की निरंतर विस्तृत हो रही श्रृंखला तक शीघ्र एवं सुलभ पहुँच प्रदान करता है, जिससे वे अपने शैक्षणिक और बौद्धिक प्रयासों में सशक्त बन सकें। मैं सभी शैक्षणिक विभागों और छात्रों को प्रोत्साहित करता हूँ कि वे पुस्तकालय द्वारा उपलब्ध संसाधनों का अधिकतम उपयोग करें। आइए, हम जिज्ञासा, विवेकपूर्ण चिंतन और आजीवन सीखने की संस्कृति को लगातार प्रोत्साहित करते रहें।

मैं इस समाचार-पत्र के निर्माण में संपादकीय टीम की असाधारण प्रतिबद्धता और परिश्रम की सराहना करता हूँ, तथा आशा करता हूँ कि यह प्रकाशन भविष्य में भी ज्ञान, संवाद और सहयोग की भावना को निरंतर सशक्त करता रहेगा।

डॉ. वी. आर. कलमकर, संकायाध्यक्ष (शैक्षिक) और अध्यक्ष पुस्तकालय सलाहकार समिति

पुस्तकालय और सूचना संसाधन केंद्र के बारे में

छह दशकों से अधिक समय से, वीएनआईटी पुस्तकालय और सूचना संसाधन केंद्र अकादमिक उत्कृष्टता का एक स्तंभ रहा है, जो छात्रों, संकायों और कर्मचारियों की ज्ञान और अनुसंधान आवश्यकताओं को पूरा करता है। एक प्रमुख संसाधन केंद्र के रूप में, यह विभिन्न विषयों में बौद्धिक विकास और विद्वतापूर्ण गतिविधियों को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। पुस्तकालय में पुस्तकों, पत्रिकाओं, ई-संसाधनों और डिजिटल डेटाबेस सहित एक विशाल और विविध संग्रह है, जिसे अकादमिक आवश्यकताओं की एक विस्तृत श्रृंखला को पूरा करने के लिए सावधानी पूर्वक तैयार किया गया है। पुस्तकालय सेवाएँ निम्नलिखित अनुभागों के माध्यम से व्यवस्थित हैं:

1. परिचालन अनुभाग
2. तकनीकी प्रसंस्करण अनुभाग
3. संदर्भ अनुभाग
4. समाज कल्याण पुस्तक पेढी अनुभाग
5. नियतकालिक अनुभाग
6. अधिग्रहण अनुभाग
7. पुस्तक पेढी अनुभाग
8. बाउंड वॉल्यूम अनुभाग
9. कम उपयोग की जाने वाली पुस्तकें अनुभाग

ये सभी अनुभाग मिलकर एक मजबूत और उत्तरदायी अकादमिक बुनियादी ढांचे में योगदान करते हैं जो वीएनआईटी समुदाय की जरूरतों के साथ विकसित होता रहता है।

पुस्तकालय सलाहकार समिति

डॉ. वी. आर. कलमकर
संकायाध्यक्ष (शैक्षिक)
अध्यक्ष

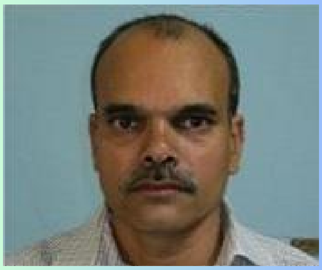

डॉ. आर. एस. सोनपरोते
संकायाध्यक्ष
(योजना एवं विकास) - सदस्य

श्री एस. एस. जगदाले
कुलसचिव
सदस्य

डॉ. अनुपमा कुमार
सह संकायाध्यक्ष (ईटी एंड एलएस) सदस्य

डॉ. पूनम शर्मा
सह संकायाध्यक्ष(आईटी)
सदस्य

डॉ. जमील अंसारी
ओएसडी, पुस्तकालय -
संयोजक और सदस्य

श्रीमती पूनम हारोड़े
सहायक पुस्तकालयाध्यक्ष
सदस्य

Shodhganga
a reservoir of Indian theses

वीएनआईटी और इन्फ्लिबनेट (INFLIBNET) ने शोधगंगा प्रक्रियाओं को सुव्यवस्थित करने के लिए संशोधित समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए

“शोधगंगा” भारत का एक डिजिटल भंडार (repository) है, जिसमें भारतीय शोधार्थियों द्वारा प्रस्तुत इलेक्ट्रॉनिक थिसिस और डिसर्टेशन (प्रबंध) संग्रहीत किए जाते हैं। इसे INFLIBNET केंद्र द्वारा विकसित किया गया है। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (UGC) की अधिसूचना (न्यूनतम मानक एवं एम.फिल./पीएच.डी. डिग्री प्रदान करने की प्रक्रिया, विनियम, 2009 में 2016 में किया गया संशोधन) दिनांक 5 मई 2016 को जारी की गई, जिसके अंतर्गत विश्वविद्यालयों के शोधार्थियों के लिए थिसिस और डिसर्टेशन के इलेक्ट्रॉनिक संस्करण को जमा करना अनिवार्य किया गया है। इसका उद्देश्य भारतीय शोध प्रबंधों को वैश्विक शैक्षणिक समुदाय के लिए मुक्त रूप से सुलभ कराना है।

एक केंद्रीकृत रूप से संचालित डिजिटल भंडार के माध्यम से शोध प्रबंधों की ऑनलाइन उपलब्धता, न केवल भारतीय डॉक्टरेट थिसिस तक आसान पहुंच और उनके सुरक्षित संग्रहण को सुनिश्चित करती है, बल्कि शोध की गुणवत्ता और स्तर को भी बेहतर बनाने में सहायक होती है। हाल ही में शोधगंगा ने 6,00,000 थिसिस का एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर पार किया है।

18 फरवरी 2025 को, VNIT के माननीय निदेशक द्वारा शोधगंगा समझौता ज्ञापन (MoU) में संशोधन पर हस्ताक्षर किए गए। वर्तमान MoU में शोधगंगा के सुचारु क्रियान्वयन के लिए संशोधन किए जा रहे हैं, ताकि एम्बार्गो और DRM/कानूनी मुद्दों, प्लैगरिज़्म रिपोर्ट्स की समाविष्टि, छात्र के कॉपीराइट घोषणा पत्र, विशिष्ट शोधकर्ता आईडी,CC BY NC के संशोधन जैसे विषयों से प्रभावी रूप से निपटा जा सके। इसके अतिरिक्त, शोधगंगा में एक-पृष्ठीय प्लैगरिज़्म रिपोर्ट/प्रमाणपत्र/सारांश रिपोर्ट अपलोड करना अनिवार्य कर दिया गया है।

Shodhgangotri
Repository of Research in Progress & PG Dissertations

शोधगंगोत्री एक डिजिटल संग्रह है जो अनुमोदित पीएच.डी. सारांश, स्नातकोत्तर शोध प्रबंध, पोस्ट-डॉक्टोरल फेलोशिप, प्रमुख और लघु शोध परियोजनाएं और एमेरिटस फेलोशिप जैसे दस्तावेजों को संग्रहीत करता है। यह विश्वविद्यालयों के शोध विद्वानों और पर्यवेक्षकों को पीएच.डी. पंजीकरण के लिए प्रस्तुत अनुमोदित सारांशों के इलेक्ट्रॉनिक संस्करणों को अपलोड करने के लिए आमंत्रित करता है। यह मंच न केवल भारतीय अकादमिक क्षेत्र में उभरते शोध रुझानों और दिशाओं को दर्शाता है, बल्कि शोध प्रयासों के दोहराव को रोकने में भी मदद करता है। समय के साथ, "शोधगंगोत्री" में प्रस्तुत सारांशों को "शोधगंगा" में संबंधित पूर्ण-पाठ शोधों से जोड़ा जाता है।

वर्ष २०२४- २०२५ के अकादमिक सत्र से विश्वेश्वरया राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (वीएनआईटी), नागपुर ने भी पीजी शोध प्रबंधों को "शोधगंगोत्री" पर अपलोड करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है।

शोधगंगा और शोधगंगोत्री पर शोध और शोध प्रबंधों को अपलोड करने की विस्तृत प्रक्रियाओं और निर्देशों तक पहुँचने के लिए यहाँ स्कैन करें। यह जानकारी लाइब्रेरी वेबपेज पर 'शोधगंगा / शोधगंगोत्री' अनुभाग के तहत भी उपलब्ध है।

अधिक जानकारी के लिए स्कैन करे

वीएनआईटी पुस्तकालय | शोधगंगा | शोधगंगोत्री

*आलेख स्रोत : *https://www.inflibnet.ac.in/*

पुस्तकालय की नई सेवाएं

स्कोपस (SCOPUS)

वीएनआईटी पुस्तकालय और सूचना संसाधन केंद्र ने स्कोपस को अपनी सेवाओं में शामिल किया है और अपनी डिजिटल क्षमताओं का विस्तार किया है| स्कोपस विश्व का परिचित एब्स्ट्रैक्ट और साइटेशन का डेटाबेस है । स्कोपस सहकर्मी-समीक्षित साहित्य तक व्यापक पहुंच प्रदान करता है, जिसमें जर्नल, सम्मेलन की कार्यवाही, किताबें और पेटेंट शामिल हैं। यह विभिन्न विषयों के शोधकर्ताओं, संकायों और छात्रों के लिए एक अनिवार्य संसाधन है, जो अकादमिक उत्कृष्टता और नवाचार का समर्थन करता है।

स्कोपस की प्रमुख विशेषताएँ:

- व्यापक कवरेज: विज्ञान, प्रौद्योगिकी, चिकित्सा, सामाजिक विज्ञान और कलाओं को कवर करते हुए 82 मिलियन से अधिक रिकॉर्ड तक पहुँच।
- उद्धरण विश्लेषण: उद्धरणों को ट्रैक करने, एच-इंडेक्स जैसे मेट्रिक्स की गणना करने और लेखक और जर्नल प्रभाव का विश्लेषण करने के लिए उपकरण प्रदान करता है।
- उन्नत खोज उपकरण: बूलियन ऑपरेटरों, कीवर्ड फिल्टर और स्मार्ट खोज कार्यात्मकताओं के उपयोग के माध्यम से सटीक परिणाम सक्षम करता है।
- लेखक और संस्थागत प्रोफाइल: शोधकर्ताओं, उनके प्रकाशनों और संबद्ध संस्थानों की विस्तृत जानकारी।
- एआई-संचालित विश्लेषण: क्षेत्रों में उभरते रुझानों और शोध प्रभाव का पता लगाता है।
- संदर्भ प्रबंधकों के साथ एकीकरण: संगठित शोध वर्कफ़्लो के लिए मेंडले और एंडनोट जैसे उपकरणों के साथ सहजता से जुड़ता है।

टर्निटिन ओरिजिनालिटी (TURNITIN ORIGINALITY)

टर्निटिन ओरिजिनालिटी एक अत्याधुनिक साहित्यिक चोरी का पता लगाने वाले सॉफ्टवेर है जिसे पुस्तकालय ने अपनी डिजिटल सेवाओं में जोड़ा है। जिसके अंदर कृत्रिम बुद्धिमत्ता (आर्टिफीसियल इंटेलिजेंस) की जाँच का भी विकल्प दिया गया है। अकादमिक अखंडता को बनाए रखने के लिए डिज़ाइन किया गया यह उन्नत उपकरण, पारंपरिक समानता जांच के साथ ही एआई (AI) समानता का पता लगाने को एकीकृत किया गया है, जो कॉपी या रीफ़्रेश की गई सामग्री के साथ-साथ कृत्रिम बुद्धिमत्ता द्वारा उत्पन्न सामग्री की पहचान करने में सक्षम है।

टर्निटिन ओरिजिनालिटी की प्रमुख विशेषताएँ:

- एआई समानता जाँच: यह सुनिश्चित करने के लिए एआई-जनित सामग्री का पता लगाता है कि प्रस्तुतियाँ वास्तव में मौलिक हैं।
- व्यापक तुलना डेटाबेस: अकादमिक जर्नल, किताबों, वेबसाइटों और छात्र पत्रों के एक विशाल भंडार के खिलाफ पाठ का मिलान करता है।
- वास्तविक समय प्रतिक्रिया: त्वरित समीक्षा के लिए मिलान किए गए स्रोतों के साथ तत्काल समानता रिपोर्ट प्रदान करता है।
- उन्नत लेखन अंतर्दृष्टि: उद्धरण गुणवत्ता, लेखन मानकों और मौलिकता का मूल्यांकन करता है।
- एलएमएस (LMS) एकीकरण: मॉडल और कैनवास जैसे शिक्षण प्लेटफार्मों के साथ सहजता से एकीकृत होता है।

टर्निटिन ओरिजिनालिटी के समावेश के साथ, वीएनआईटी पुस्तकालय नैतिक अनुसंधान प्रथाओं और अकादमिक ईमानदारी को बढ़ावा देने की अपनी प्रतिबद्धता को मजबूत करता है। यह पहल छात्रों और संकायों को उचित उद्धरण विधियों को समझने, साहित्यिक चोरी से बचने और एआई-जनित सामग्री द्वारा उत्पन्न उभरती चुनौतियों का सामना करने में सक्षम बनाती है - जिससे विद्वतापूर्ण कार्य की प्रामाणिकता और विश्वसनीयता बनी रहती है।

माईएलओएफटी (MYLOFT) (माई लाइब्रेरी ऑन फिंगर टिप्स)

MyLOFT (My Library on Finger Tips) एक संपूर्ण रिमोट एक्सेस टूल है, जिसे पुस्तकालय द्वारा सब्सक्राइब की गई ई-संसाधनों और डिजिटल सामग्री तक निर्बाध पहुंच प्रदान करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। यह छात्रों, शोधार्थियों और संकाय सदस्यों की आवश्यकताओं को पूरा करता है और एकीकृत प्लेटफ़ॉर्म के रूप में मोबाइल ऐप्स, वेब ब्राउज़र और ब्राउज़र एक्सटेंशन के माध्यम से उपलब्ध है।

यह सुविधा केवल संकाय सदस्यों, पीएच.डी. स्कॉलर्स और स्नातकोत्तर (PG) छात्रों के लिए उपलब्ध है।

MYLOFT का उपयोग करने के लिए, उपयोगकर्ताओं को अपना नाम, ईमेल, ID नंबर, विभाग, ब्रांच/स्ट्रीम और वर्ष की जानकारी librarian@vnit.ac.in पर ईमेल करनी होगी। MyLOFT एक्सेस के लिए ईमेल अनुरोध भेजते समय कृपया अपने शोध मार्गदर्शक (गाइड) को CC में अवश्य रखें।

माईएलओएफटी की प्रमुख विशेषताएं:

1. **सहज रिमोट एक्सेस**
2. **क्रॉस-प्लेटफॉर्म उपलब्धता (iOS/Android)**
3. **ऑफलाइन एक्सेस**
4. **एकीकृत सामग्री प्रबंधन**
5. **उन्नत पठन अनुभव**
6. **वॉइस-सक्षम यूनिवर्सल सर्च**
7. **सहयोगात्मक उपकरण**
8. **उपयोगकर्ता-मित्रवत इंटरफेस**
9. **प्रशासनिक और विश्लेषणात्मक उपकरण**

पुस्तक प्रदर्शनी

विश्व बौद्धिक संपदा दिवस के अवसर पर

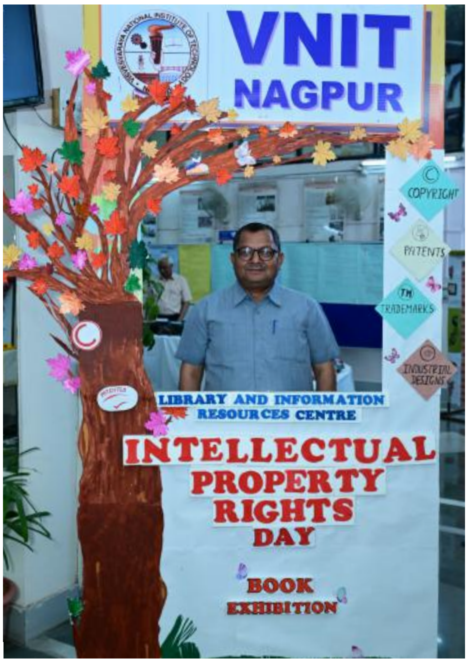

विश्व बौद्धिक संपदा दिवस के अवसर पर, वीएनआईटी नागपुर के पुस्तकालय एवं सूचना संसाधन केंद्र ने बौद्धिक संपदा अधिकारों के प्रति जागरूकता बढ़ाने और छात्रों एवं कर्मचारियों में ज्ञानवर्धन हेतु एक विशेष पुस्तक प्रदर्शनी का आयोजन किया। यह प्रदर्शनी 26 अप्रैल, 2025 को शुरू हुई और दो सप्ताह तक खुली रही। इस प्रदर्शनी में बौद्धिक संपदा अधिकार (IPR) से संबंधित पुस्तकों के साथ-साथ सामान्य रुचि के विषयों पर भी पुस्तकों का विशेष प्रदर्शन किया गया, जिसका उद्देश्य नवाचार, कानूनी अधिकारों और रचनात्मक स्वामित्व के महत्व को उजागर करना था। कार्यक्रम की एक विशेष आकर्षक विशेषता इंटरैक्टिव सेल्फी पॉइंट थी, जिसे आगंतुकों को जोड़ने और अनुभव को मनोरंजक व यादगार बनाने के लिए डिज़ाइन किया गया था। इसके अलावा, वीएनआईटी के शोध और नवाचार में योगदान को प्रदर्शित करने के लिए संस्थान द्वारा दायर या प्राप्त पेटेंट की व्यापक सूची भी प्रदर्शित की गई, जिसने संस्थान की बौद्धिक और तकनीकी प्रगति को रेखांकित किया।

प्रदर्शनी का औपचारिक उद्घाटन 26 अप्रैल, 2025 को कार्यवाहक निदेशक प्रो. जी. पी. सिंह ने किया, जिसमें रजिस्ट्रार श्री सचिन सुधाकर जगदाले, संकायाध्यक्ष (शैक्षिक) प्रो. डॉ. वी. आर. कलमकर, सह संकायाध्यक्ष (ईटी एंड एलएस) प्रो. डॉ. अनुपमा कुमार, विद्युत अभियांत्रिकी विभागाध्यक्ष डॉ. बी. एस. उमरे और पुस्तकालय टीम सहित कई गणमान्य अतिथि उपस्थित थे। इस आयोजन को परिसर समुदाय ने बड़े उत्साह से स्वीकार किया। अनेक छात्रों ने प्रदर्शनी से पुस्तकें उधार लीं और आगंतुकों ने सकारात्मक प्रतिक्रिया व्यक्त की।

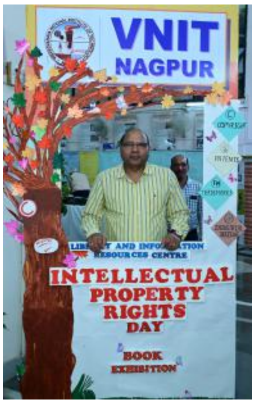

गणमान्य अतिथियों ने कार्यक्रम के आयोजन में पुस्तकालय टीम की प्रतिबद्धता और प्रयासों की सराहना की। कुल मिलाकर, यह प्रदर्शनी एक सूचनात्मक और रोचक पहल साबित हुई, जिसने वीएनआईटी पुस्तकालय की शैक्षिक समृद्धि और बौद्धिक भागीदारी में महत्वपूर्ण भूमिका को पुनः स्थापित किया। यह जीवंत प्रदर्शनी पुस्तकालय टीम के समन्वित प्रयासों और उत्साह का परिणाम थी, जिसका मार्गदर्शन और प्रेरणा डॉ. अनुपमा कुमार और श्रीमती पूनम हारोड़े ने प्रदान किया।

पुस्तकालय के समाचार पत्र "ग्रंथालय वाणी" का विमोचन

पुस्तकालय ने अपने पहले समाचार पत्र, "ग्रंथालय वाणी" के अनावरण के साथ एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर हासिल किया, जो 19 मई, 2025 को हुआ। यह कार्यक्रम पुस्तकालय और सूचना संसाधन केंद्र के मीटिंग हॉल में दोपहर 12:30 बजे, डॉ. वी. आर. कलमकर, संकायाध्यक्ष (शैक्षिक) और पुस्तकालय सलाहकार समिति के अध्यक्ष की गरिमामयी उपस्थिति में आयोजित किया गया।

विश्वेश्वरैया राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान
VISVESVARAYA NATIONAL INSTITUTE OF TECHNOLOGY
ग्रंथालय वाणी
GRANTHALAYA VANI

Vol: I, Issue: I
JANUARY TO DECEMBER, 2024

DIRECTOR'S MESSAGE

gives me immense pleasure to present the t issue of the Newsletter "GRANTHALAYA NI", an initiative by VNIT, Library & ormation Resource Centre. This initiative lects our commitment to fostering a ture of learning, research and intellectual owth. The library, as a hub of knowledge, ntinues to evolve with the needs of our ademic community, offering digital ources, collaborative spaces and user-ndly services. I commend the library team their dedication and innovation in hancing the user experience. I encourage dents and faculty to actively engage with library's offerings. Let this newsletter be a

PROF.(DR.) PREM LAL PATEL
Director
Visvesvaraya National Institute of Technology Nagpur (VNIT)

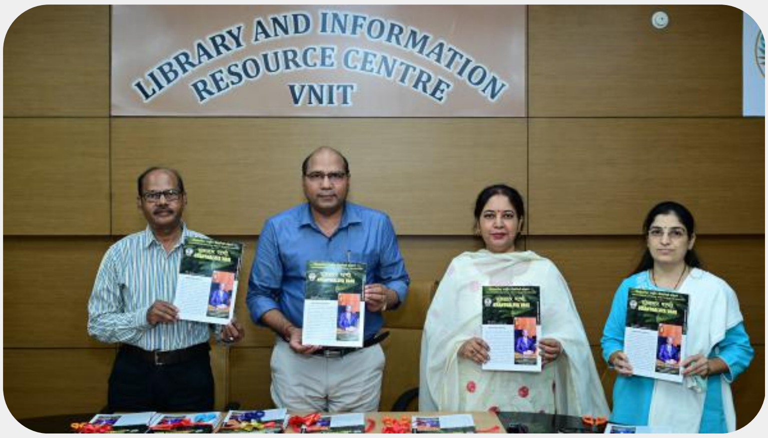

यह कार्यक्रम डॉ. अनुपमा कुमार, सह संकायाध्यक्ष (ईटी एंड एलएस) द्वारा दिए गए एक गरिमामय स्वागत भाषण के साथ आरंभ हुआ। उन्होंने न्यूज़लेटर पहल के पीछे के उद्देश्य को प्रस्तुत किया। डॉ. अनुपमा कुमार ने "ग्रंथालय वाणी" को साकार करने में सहयोगात्मक भावना और प्रतिबद्धता को रेखांकित किया तथा पुस्तकालय टीम के प्रयासों की सराहना की। विशेष रूप से श्री सुहास भोपले, श्री विपिन कुमार और श्री अमित कुमार (पुस्तकालय एवं सूचना सहायक) को इस मंच के निर्माण में उनके समर्पित कार्य के लिए सराहना प्रदान की गई, जो पुस्तकालय की गतिविधियों, उपलब्धियों और नवीन जानकारियों को प्रदर्शित करने हेतु विकसित किया गया है।परिचय के उपरांत, डॉ. अनुपमा कुमार ने डॉ. वी. आर. कलमकर को सभा को संबोधित करने और न्यूज़लेटर का विमोचन करने के लिए आमंत्रित किया।

अपने संबोधन में डॉ. वी. आर. कलमकर ने इस इन-हाउस प्रकाशन के आरंभ के लिए टीम को बधाई दी। उन्होंने इस प्रकार की पहलों को आंतरिक संवाद को बढ़ावा देने, ज्ञान-साझा को प्रोत्साहित करने और अकादमिक सहभागिता की संस्कृति को विकसित करने के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण बताया। कार्यक्रम का समापन डॉ. अनुपमा कुमार द्वारा प्रस्तुत धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ, जिसके पश्चात जलपान सत्र आयोजित किया गया, जहाँ उपस्थितजन अनौपचारिक संवाद और उत्सव का आनंद ले सके।

"ग्रंथालय वाणी" पुस्तकालय के जनसंपर्क प्रयासों में एक नए अध्याय की शुरुआत का प्रतीक है — जो अकादमिक समुदाय को जोड़ने, जानकारी देने और प्रेरित करने का माध्यम बनेगा।

पुस्तकालय गतिविधियां

पीएच.डी., एम.टेक. और एम.एससी. छात्रों के लिए पुस्तकालय टीम द्वारा आयोजित जागरूकता सत्र/व्याख्यान

गांधीनगर स्थित इन्फ्लिबनेट सेंटर द्वारा प्रदान की जाने वाली विभिन्न अकादमिक और अनुसंधान सहायता सेवाओं पर एक जानकारीपूर्ण सत्र 6 मार्च, 2025 को शाम 4:00 बजे सीआरसी 2-3 ब्लॉक में आयोजित किया गया था। यह 90 मिनट का सत्र वीएनआईटी के पुस्तकालय एवं सूचना सहायक श्री सुहास भोपाले और श्री विपिन कुमार द्वारा संचालित किया गया। श्री विपिन कुमार ने शोधचक्र, शोधगंगा, आईआरएनएस, शोधगंगोत्री, विद्वान और शेरनी सहित कई प्रमुख इन्फ्लिबनेट पहलों का परिचय दिया - ये सभी पीएच.डी. विद्वानों के लिए मूल्यवान अनुसंधान संसाधन के रूप में कार्य करते हैं। उन्होंने माईएलओएफटी (रिमोट एक्सेस के लिए), साहित्यिक चोरी का पता लगाने वाले सॉफ्टवेयर, ओएनओएस और स्कोपस जैसे आवश्यक उपकरणों पर भी प्रकाश डाला, जो अकादमिक उत्कृष्टता और अनुसंधान अखंडता का समर्थन करते हैं। सत्र के दूसरे भाग में, श्री सुहास भोपाले ने ज़ोटेरो का विस्तृत प्रदर्शन किया, जो एक निःशुल्क और उपयोगकर्ता के अनुकूल संदर्भ प्रबंधन उपकरण है जो शोधकर्ताओं को ग्रंथ सूची डेटा को प्रभावी ढंग से एकत्र करने, व्यवस्थित करने, एनोटेट करने, उद्धृत करने और साझा करने में मदद करता है। इस सत्र में 50 पीएच.डी. विद्वानों ने भाग लिया और प्रतिभागियों के साथ साझा किए गए गूगल फॉर्म के माध्यम से प्रतिक्रिया एकत्र की गई। इस इंटरैक्टिव सत्र को खूब सराहा गया और इसने वीएनआईटी में अकादमिक समुदाय के लिए उपलब्ध महत्वपूर्ण अनुसंधान उपकरणों और सेवाओं के बारे में जागरूकता बढ़ाने में योगदान दिया।

हाल ही में एक सीनेट प्रस्ताव के अनुसार, जिसमें एम.टेक और एम.एससी. थीसिस को शोधगंगोत्री पोर्टल पर अपलोड करना अनिवार्य किया गया है, वीएनआईटी पुस्तकालय टीम ने 10 और 11 मार्च, 2025 को मल्टीएक्टिविटी सेंटर में स्नातकोत्तर छात्रों के लिए एक घंटे का जागरूकता सत्र आयोजित किया। इस सत्र का उद्देश्य छात्रों को शोधगंगोत्री मंच और अनुसंधान दृश्यता और अकादमिक पारदर्शिता में इसके महत्व से परिचित कराना था। इसके अतिरिक्त, प्रतिभागियों को कई प्रमुख पुस्तकालय सेवाओं और डिजिटल उपकरणों से परिचित कराया गया, जिनमें शामिल हैं:

- वन सर्च – सभी पुस्तकालय संसाधनों के लिए एक एकीकृत खोज इंटरफ़ेस
- माईएलओएफटी – ई-संसाधनों तक ऑफ-कैंपस पहुँच के लिए एक रिमोट एक्सेस उपकरण
- टर्निटिन – अकादमिक अखंडता सुनिश्चित करने के लिए साहित्यिक चोरी का पता लगाने वाला सॉफ्टवेयर
- ओएनओएस योजना – ई-संसाधनों की कुशल खोज के लिए
- ज़ोटेरो – अनुसंधान को प्रभावी ढंग से व्यवस्थित और साइटेशन करने के लिए एक संदर्भ प्रबंधन उपकरण है

इस सत्र ने अकादमिक कार्य की गुणवत्ता और अखंडता को बढ़ाने के लिए इन उपकरणों का उपयोग करने के बारे में मूल्यवान अंतर्दृष्टि प्रदान की, और इसे स्नातकोत्तर छात्र समुदाय द्वारा खूब सराहा गया।

10 मार्च, 2025 को, अंतिम वर्ष के एम.टेक और एम.एससी. छात्रों के लिए दो बैक-टू-बैक सत्र आयोजित किए गए, प्रत्येक डेढ़ घंटे का था। सत्र इस प्रकार व्यवस्थित थे:

- पहला सत्र: श्री अमित कुमार, पुस्तकालय एवं सूचना सहायक ने पुस्तकालय के अनुभागों, संग्रहों और उपलब्ध संसाधनों, जिसमें मुद्रित और इलेक्ट्रॉनिक सामग्री दोनों शामिल हैं, का व्यापक अवलोकन प्रदान किया। उन्होंने माईएलओएफटी, साहित्यिक चोरी का पता लगाने वाले सॉफ्टवेयर और ओएनओएस प्लेटफॉर्म जैसे प्रमुख डिजिटल उपकरणों का परिचय दिया। सत्र का समापन एक इंटरैक्टिव प्रश्नोत्तर खंड के साथ हुआ।
- दूसरा सत्र: श्री विपिन कुमार, पुस्तकालय एवं सूचना सहायक ने संदर्भ प्रबंधन उपकरण ज़ोटेरो पर एक व्यावहारिक कार्यशाला आयोजित की। उन्होंने इसकी स्थापना प्रक्रिया, क्रोम और एमएस वर्ड के साथ एकीकरण का प्रदर्शन किया, और प्रभावी अनुसंधान उद्धरण प्रबंधन को सुविधाजनक बनाने के लिए प्रतिभागियों को इसकी विभिन्न विशेषताओं के माध्यम से निर्देशित किया।

11 मार्च, 2025 को, पहले वर्ष के एम.टेक. और एम.एससी. छात्रों के लिए वही सत्र दोहराए गए।

कुल 142 अंतिम वर्ष और 133 प्रथम वर्ष के स्नातकोत्तर छात्रों ने इन सत्रों में भाग लिया। गूगल फॉर्म के माध्यम से एकत्र की गई प्रतिक्रिया ने अत्यधिक सकारात्मक प्रतिक्रिया को दर्शाया। प्रतिभागियों ने व्यावहारिक प्रदर्शनों और इंटरैक्टिव प्रारूप की सराहना की, इन सत्रों को उनके अनुसंधान परियोजनाओं और थीसिस कार्य के लिए अत्यधिक प्रासंगिक और लाभकारी पाया। कई लोगों ने उन्नत अनुसंधान उपकरणों और तकनीकों पर अतिरिक्त प्रशिक्षण के लिए उत्साह व्यक्त किया।

भारी जुड़ाव छात्रों के अनुसंधान कौशल और अकादमिक उत्पादकता को बढ़ाने के लिए नियमित क्षमता-निर्माण पहलों के महत्व को रेखांकित करता है। इस सफल पहल का नेतृत्व डॉ. अनुपमा कुमार, सह संकायाध्यक्ष (ईटी एंड एलएस) और डॉ. रवींद्र वी. ताईवाडे, सह संकायाध्यक्ष अकादमिक (पीजी और पीएच.डी.) ने किया, जिसमें डॉ. जमील अंसारी, ओएसडी पुस्तकालय, श्रीमती पूनम हारोड़े, सहायक पुस्तकालयाध्यक्ष, श्री सुहास भोपाले, पुस्तकालय एवं सूचना सहायक, श्री विपिन कुमार, पुस्तकालय एवं सूचना सहायक, श्री अमित कुमार, पुस्तकालय एवं सूचना सहायक, और पीजी छात्र परिषद सचिव वकील रघुवंशी का मूल्यवान सहयोग प्राप्त हुआ।

पुस्तकालय गतिविधियाँ

गणतंत्र दिवस 2025

शहीद दिवस 2025

डॉ. बी.आर. आम्बेडकर जयंती 2025

विश्व पुस्तक दिवस 2025

राष्ट्र प्रथम – एक अभियान: राष्ट्र पहले के समर्थन में

विश्व पर्यावरण दिवस 2025

शैक्षणिक दौरे

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस 2025

पुस्तकालय कर्मचारियों द्वारा प्राप्त प्रशिक्षण और उनकी उपलब्धियाँ

श्री सुहास भोपाले विजेता इन्फ्लिबनेट आइडियाथॉन 2025

श्री सुहास भोपाले, पुस्तकालय और सूचना सहायक, ने 27 फरवरी, 2025 को इन्फ्लिबनेट सेंटर, गांधीनगर में आयोजित इन्फ्लिबनेट आइडियाथॉन और ओपन डे सेलिब्रेशन 2025 में भाग लिया। इस आयोजन का एक प्रमुख आकर्षण आइडियाथॉन था, जहाँ चयनित प्रतिभागियों ने शिक्षा, प्रौद्योगिकी और पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान में वास्तविक दुनिया की चुनौतियों का समाधान करने वाले अभिनव समाधान प्रदर्शित किए। श्री भोपाले ने "वन नेशन वन रिसर्च इंफॉर्मेशन पोर्टल" शीर्षक से एक सम्मोहक प्रस्ताव प्रस्तुत किया। यह अवधारणा इन्फ्लिबनेट द्वारा प्रदान की जाने वाली विभिन्न सेवाओं को एकीकृत करने वाले एक केंद्रीकृत डिजिटल मंच की कल्पना करती है। प्रस्तावित डैशबोर्ड वास्तविक समय का डेटा और अंतर्दृष्टि प्रदान करेगा, जिससे शिक्षा मंत्रालय, इन्फ्लिबनेट और देश भर के उच्च शिक्षा संस्थानों को लाभ होगा।

श्री भोपाले के विचार को आइडियाथॉन का विजेता घोषित किया गया, जिसे इसके महत्वपूर्ण संभावित प्रभाव, व्यावहारिक व्यवहार्यता और पूरे देश में अनुसंधान जानकारी और सेवाओं तक पहुंच बढ़ाने के इन्फ्लिबनेट के मिशन के साथ संरेखण के लिए मान्यता मिली। इन्फ्लिबनेट आइडियाथॉन 2025 में श्री सुहास भोपाले की सराहनीय उपलब्धि, जहाँ उनके अभिनव विचार को विजेता प्रविष्टि के रूप में चुना गया, हमारी पुस्तकालय टीम द्वारा अपनाए गए सक्रिय और दूरदर्शी दृष्टिकोण का एक प्रमाण है। ऐसी पहलें न केवल संस्थान को पहचान दिलाती हैं बल्कि राष्ट्रीय अकादमिक और अनुसंधान परिदृश्य में सार्थक योगदान के लिए भी मार्ग प्रशस्त करती हैं।

सम्मेलन: “ज्ञान को सशक्त बनाना: एक राष्ट्र एक सदस्यता” विषय पर दो दिवसीय NIT पुस्तकालयाध्यक्षों और प्रकाशकों का सम्मेलन।

- अवधि: 20 - 21 जनवरी 2025।
- उपस्थिति: श्रीमती पूनम हारोड़े, सहायक पुस्तकालयाध्यक्ष।
- मुख्य जानकारियाँ / प्रमुख सीख: ONOS नीति के क्रियान्वयन पर विशेष ध्यान,
  - हितधारकों के साथ सहयोगात्मक सहभागिता,
  - कार्यान्वयन योग्य परिणाम एवं भविष्य की दिशा।

प्रशिक्षण: इन्फ्लिबनेट द्वारा आयोजित "नैतिक मुद्दे और अनुसंधान में साहित्यिक चोरी का पता लगाना" पर तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम

- अवधि: 03 - 05 फरवरी 2025।
- उपस्थिति: श्री विपिन कुमार और श्री सुहास भोपाले, पुस्तकालय और सूचना सहायक।
- मुख्य सीख: शोधगंगा समझौता ज्ञापन में नए संशोधन।
  - अनुसंधान में नैतिकता।
  - ड्रिलबिट (DrillBit) सॉफ्टवेयर के बारे में विवरण।

प्रशिक्षण: केंद्रीय अनुवाद ब्यूरो, राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय द्वारा आयोजित लघु अवधि अनुवाद प्रशिक्षण कार्यक्रम

- अवधि: 01 - 05 अप्रैल 2025।
- उपस्थिति: डॉ. जमील अंसारी, ओएसडी लाइब्रेरी और श्रीमती स्वाति पोतदार, तकनीशियन एस.जी.- II।
- मुख्य सीख: आधिकारिक शब्दावली गाइड।
  - हिंदी वार्षिक रिपोर्ट के संबंध में मार्गदर्शन।
  - रोजमर्रा के कार्यालय का काम हिंदी में।

प्रशिक्षण: इन्फ्लिबनेट द्वारा आयोजित "शोधगंगा और शोधशुद्धि/पीडीएस के विश्वविद्यालय समन्वयकों के लिए नीतियां और दिशानिर्देश" पर तीन दिवसीय प्रशिक्षण

- अवधि: 02 - 04 अप्रैल 2025।
- उपस्थिति: श्री एम. डी. जायसवाल, तकनीशियन एस.जी. II।
- मुख्य सीख: इन्फ्लिबनेट गतिविधियों का अवलोकन।
  - शिक्षा में पीडीएस (PDS) और साहित्यिक चोरी जागरूकता का महत्व।
  - शोधगंगा/शोधशुद्धि: नीति और दिशानिर्देश।

प्रशिक्षण: आईआईटी बीएचयू और आईआईटी खड़गपुर द्वारा आयोजित संस्थागत डिजिटल रिपॉजिटरी पर दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला

- अवधि: 19 - 20 अप्रैल 2025।
- उपस्थिति: श्रीमती पूनम हारोड़े, सहायक पुस्तकालयाध्यक्ष और श्री अमित कुमार, पुस्तकालय एवं सूचना सहायक।
- मुख्य सीख:
    - एनडीएलआई (NDLI) और एनडीएलआई क्लब का अवलोकन।
    - आईडीआर (IDR) विकास के लिए हैंड्स-ऑन प्रशिक्षण।
    - डीस्पेस (DSpace) का विन्यास और स्थापना।

प्रशिक्षण: आईआईएम कलकत्ता द्वारा आयोजित पुस्तकालयों के लिए डेटा कारपेंटरी और एआई/एमएल उपकरण पर पांच दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला

- अवधि: 19 - 23 मई 2025।
- उपस्थिति: श्री विपिन कुमार और श्री सुहास भोपाले, पुस्तकालय और सूचना सहायक।
- मुख्य सीख:
    - ओपनरीफाइन (OpenRefine) सॉफ्टवेयर के बारे में विवरण।
    - पुस्तकालयों के लिए एआई/एमएल उपकरण।
    - अनुसंधान में एआई।

प्रशिक्षण: आरटीएमएनयू, नागपुर द्वारा आयोजित आईआरआईएनएस (IRINS) और इन्फ्लिबनेट सेवाओं पर एक दिवसीय जागरूकता कार्यक्रम

- अवधि: 13 जून 2025।
- उपस्थिति: श्रीमती पूनम हारोड़े, सहायक पुस्तकालयाध्यक्ष।
- मुख्य सीख:
    - इन्फ्लिबनेट के अनुसंधान सेवा प्लेटफार्मों जैसे आईआरआईएनएस, ओआरसीआईडी (ORCID) और शेरनी (SheRNI) के बारे में जागरूकता।
    - अनुसंधान प्रभाव और अकादमिक सहयोग को बढ़ाने के लिए ऐसे उपकरणों को एकीकृत करने का महत्व।

पुस्तकालय और सूचना संसाधन केंद्र खुलने का समय

दिन	अनुभाग (खुलने/बंद होने का समय)	पठन कक्ष
सोमवार से शनिवार	सुबह 8:30 बजे से रात 9:40 बजे	24 घंटे खुला
सरकारी छुट्टियां	सुबह 9:00 बजे से शाम 4:10 बजे	24 घंटे खुला
रविवार	बंद	24 घंटे खुला
पाँच बंद छुट्टियां	बंद	बंद

पाँच बंद छुट्टियां		
	गणतंत्र दिवस	महात्मा गांधी जयंती
	होली	दीपावली
	स्वतंत्रता दिवस	

"एक पुस्तकालय वह स्थान है जहाँ इतिहास जीवित होता है, जहाँ अतीत वर्तमान से बात करता है, और जहाँ भविष्य आकार लेता है।"
- रवींद्रनाथ टैगोर

01 जनवरी, 2025

ओएनओएस (ONOS)

एक राष्ट्र एक सदस्यता (One Nation One Subscription)

एक राष्ट्र, एक सदस्यता (ओएनओएस) पहल भारत सरकार द्वारा शुरू किया गया एक ऐतिहासिक कार्यक्रम है, जिसका नेतृत्व प्रधान वैज्ञानिक सलाहकार कार्यालय कर रहा है और शिक्षा मंत्रालय के साथ-साथ अन्य वैज्ञानिक विभाग भी इसका समर्थन कर रहे हैं। ओएनओएस का प्राथमिक उद्देश्य पूरे देश में विद्वतापूर्ण अनुसंधान और वैज्ञानिक ज्ञान तक पहुंच का लोकतंत्रीकरण करना है। केंद्रीय रूप से बातचीत किए गए सदस्यता मॉडल के माध्यम से, ओएनओएस का लक्ष्य सभी शैक्षणिक और अनुसंधान संस्थानों के लिए उच्च गुणवत्ता वाले वैज्ञानिक पत्रिकाओं, डेटाबेस और ई-संसाधनों तक राष्ट्रव्यापी पहुंच प्रदान करना है। यह पहुंच सूचना और पुस्तकालय नेटवर्क (इन्फ्लिबनेट) सेंटर, गांधीनगर, गुजरात में स्थित विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) के तहत एक स्वायत्त अंतर-विश्वविद्यालय केंद्र द्वारा समन्वित एक राष्ट्रीय सदस्यता के माध्यम से सुगम बनाई गई है।
वर्तमान में, ओएनओएस 30 से अधिक प्रकाशकों के साथ साझेदारी करता है, जो 13,000 से अधिक विद्वतापूर्ण शीर्षकों तक पहुंच प्रदान करता है, जिससे पूरे भारत में अनुसंधान और नवाचार को महत्वपूर्ण रूप से समर्थन मिलता है।

प्रमुख विशेषताएं

- **केंद्रीकृत सदस्यता मॉडल: व्यक्तिगत संस्थानों द्वारा अलग से सदस्यता लेने के बजाय, सरकार प्रकाशकों के साथ एक सामूहिक राष्ट्रीय सदस्यता के लिए बातचीत करती है और भुगतान करती है।**
- **सार्वभौमिक पहुंच: सभी भारतीय नागरिकों, जिसमें छात्र, शोधकर्ता, संकाय और स्वतंत्र विद्वान शामिल हैं, को शीर्ष स्तरीय पत्रिकाओं और अनुसंधान डेटाबेस तक पहुंच प्राप्त होगी।**
- **लागत-प्रभावशीलता: थोक वार्ता प्रति उपयोगकर्ता समग्र लागत को कम करती है, जिससे सरकार और संस्थानों के लिए महत्वपूर्ण बचत होती है।**
- **ज्ञान पहुंच में समानता: यह सुनिश्चित करता है कि छोटे या ग्रामीण कॉलेज और संस्थान भी आईआईटी या आईआईएससी जैसे प्रमुख संस्थानों के समान संसाधनों तक पहुंच प्राप्त कर सकें।**
- **एनईपी 2020 लक्ष्यों के लिए समर्थन: अनुसंधान संस्कृति और शिक्षण सामग्री तक खुली पहुंच को बढ़ावा देने के राष्ट्रीय शिक्षा नीति के दृष्टिकोण के साथ संरेखित है।**
- **अनुसंधान और नवाचार को बढ़ावा: वैश्विक अनुसंधान तक बेहतर पहुंच भारतीय अनुसंधान उत्पादन की गुणवत्ता को बढ़ाएगी और नवाचार को बढ़ावा देगी।**

ओएनओएस का महत्व

- **ज्ञान के अंतर को पाटता है: संसाधन-समृद्ध और कम संसाधन वाले संस्थानों के बीच के अंतर को कम करता है।**
- **समावेशिता को बढ़ावा देता है: यह सुनिश्चित करता है कि विभिन्न विषयों और क्षेत्रों के शोधकर्ताओं को विद्वतापूर्ण सामग्री तक समान अवसर प्राप्त हो।**
- **बहु-विषयक अनुसंधान को प्रोत्साहित करता है: विविध पत्रिकाओं की उपलब्धता अंतःविषय सहयोग और नवाचार को सुगम बनाती है।**
- **छात्रों और शिक्षकों को सशक्त बनाता है: पूरे भारत में शिक्षण और सीखने की गुणवत्ता को बढ़ाता है।**
- **भारत के अनुसंधान पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत करता है: भारत को एक वैश्विक ज्ञान नेता बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम।**

Let's Start!

ओएनओएस के बारे में अधिक जानने के लिए यहाँ स्कैन करें।

She Research Network in India
Sheroes in Research, Novation, and Intelligence
SheRNI

महिला अनुसंधान नेटवर्क इन इंडिया (She Research Network in India - SheRNI) एक विशेषज्ञ प्रोफाइल नेटवर्क प्रणाली है जो भारत में विभिन्न क्षेत्रों में महिलाओं के ज्ञान, कौशल और विशेषज्ञता को जोड़ती और उनका लाभ उठाती है। यह पहल इन्फ्लिबनेट सेंटर, गांधीनगर द्वारा शुरू की गई थी। यह प्रणाली सहयोग, मेंटरशिप और ज्ञान-साझाकरण के अवसर प्रदान करके महिलाओं को सशक्त बनाती है। यह प्रणाली महिला वैज्ञानिकों/संकाय सदस्यों को एक मजबूत पेशेवर नेटवर्क बनाने में सहायता करती है जो सहयोग, मेंटरशिप और करियर उन्नति के अवसरों को बढ़ावा देता है।

उद्देश्य और लक्ष्य:

- सशक्तिकरण: महिला संकाय सदस्यों को उनके शोध प्रयासों में जुड़ने, सहयोग करने और एक-दूसरे का समर्थन करने के लिए एक समर्पित स्थान प्रदान करके सशक्त बनाना;
- दृश्यता और पहचान: महिला संकाय सदस्यों के शोध योगदान की दृश्यता और पहचान बढ़ाना;
- नेटवर्किंग: पेशेवर अवसरों को सुगम बनाना ताकि संबंध बनाए जा सकें, विचारों का आदान-प्रदान किया जा सके और विषयों के भीतर और उनके पार सहयोगात्मक शोध परियोजनाओं का पता लगाया जा सके; और
- अनुसंधान प्रभाव: अंत:विषय सहयोग और ज्ञान प्रसार के अवसर प्रदान करके महिला संकाय सदस्यों को उनके शोध के प्रभाव को अधिकतम करने में सहायता करना।

VIDWAN
Expert Database & National Researcher's Network

विद्वान विशेषज्ञ डेटाबेस और राष्ट्रीय शोधकर्ता नेटवर्क है। यह भारत के प्रमुख शैक्षणिक संस्थानों और अनुसंधान एवं विकास संगठनों में शिक्षण और अनुसंधान में कार्यरत वैज्ञानिकों/शोधकर्ताओं और संकाय सदस्यों के प्रोफाइल का प्रमुख डेटाबेस है। यह पृष्ठभूमि, विशेषज्ञ के संपर्क पते, कौशल और उपलब्धियों के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी सहित विभिन्न विषयों के विशेषज्ञों के शोध प्रोफाइल प्रदान करता है।

उद्देश्य और लक्ष्य:

- देश में सहकर्मियों, संभावित सहयोगियों, वित्त पोषण एजेंसियों, नीति निर्माताओं और शोध विद्वानों को विशेषज्ञों के बारे में जानकारी जल्दी और आसानी से प्रदान करना;
- उन विशेषज्ञों से सीधे संवाद स्थापित करना जिनके पास उपयोगकर्ताओं को आवश्यक विशेषज्ञता है;
- लेखों और अनुसंधान प्रस्तावों की समीक्षा के लिए सहकर्मी समीक्षकों की पहचान करना;
- वैज्ञानिकों के बीच सूचना आदान-प्रदान और नेटवर्किंग के अवसर पैदा करना;
- चल रहे शोध परियोजनाओं के लिए संभावित सहयोगियों की खोज करना;
- वैज्ञानिकों के बीच सूचना आदान-प्रदान और नेटवर्किंग के अवसर पैदा करना; और
- सहकर्मी समूह और वित्त पोषण एजेंसी को उनके योगदान को प्रदर्शित करना।

IRINS
Indian Research Information Network System

भारतीय अनुसंधान सूचना नेटवर्क प्रणाली (आईआरआईएनएस) सूचना और पुस्तकालय नेटवर्क सेंटर (इन्फ्लिबनेट), गांधीनगर द्वारा विकसित एक वेब-आधारित अनुसंधान सूचना प्रबंधन (रिम) प्रणाली है। यह पोर्टल अकादमिक आर एंड डी संगठनों, संकाय सदस्यों और वैज्ञानिकों को उनकी विद्वतापूर्ण संचार गतिविधियों को एकत्र करने, क्यूरेट करने और प्रदर्शित करने में सुविधा प्रदान करता है, और विद्वतापूर्ण नेटवर्क बनाने का अवसर प्रदान करता है। इसे विभिन्न स्रोतों से विद्वतापूर्ण प्रकाशनों और उद्धरणों को पुनः प्राप्त करने के लिए ओआरसीआईडी आईडी, स्कोपस आईडी, रिसर्च आईडी और गूगल स्कॉलर आईडी जैसी अकादमिक पहचानों के साथ एकीकृत किया गया है।

हितधारकों को लाभ:

- यह संकाय सदस्यों की शोध रुचियों से संबंधित विद्वतापूर्ण मेटाडेटा प्रदान करता है;
- यह संकाय सदस्यों को सहकर्मी समूह को अपने शोध योगदान प्रदर्शित करने में सहायता करता है;
- यह प्रशासक को शोध रिपोर्ट, प्रदर्शन मूल्यांकन और शोध प्रभाव विश्लेषण बनाने में सक्षम बनाता है;
- धन, संकाय मूल्यांकन और संसाधन आवंटन पर निर्णय लेने के लिए शोध प्रगति का रणनीतिक विश्लेषण करता है।

प्रमुख विशेषता

- **प्रमुख विशेषताएं: खोज (Discovery)**
- स्कूलों, विभागों और संकाय सदस्यों के प्रमुख शोध क्षेत्र और शोध प्रगति; और
- विशेषज्ञों और उनके योगदान को खोजने के लिए कई फिल्टर के साथ मुखर खोज सुविधा।
- **विज़ुअलाइज़ेशन (Visualization)**
- सह-लेखक नेटवर्क, विज्ञान नेटवर्क के मानचित्र के माध्यम से संकाय का नेटवर्किंग; और
- विभाग और व्यक्तिगत संकाय सदस्य की उत्पादकता का ग्राफिकल प्रतिनिधित्व।

एपीआई (API)

- गूगल स्कॉलर आईडी, स्कोपस आईडी जैसी अकादमिक पहचानों से प्रकाशन आयात करें; और
- प्रकाशन के साथ प्रोफ़ाइल की जानकारी को अंतर्ग्रहण करने के लिए ओआरसीआईडी का एकीकरण।

अनुसंधान प्रभाव (Research Impact)

- फेसबुक, ट्विटर और मेंडले जैसे सोशल मीडिया से अल्टिमेट्रिक; और
- स्कोपस, क्रॉसरेफ से उद्धरण और बेस सर्च के माध्यम से ओपन एक्सेस लेख का लिंक।

Visvesvaraya National Institute of Technology
Faculty Profiles
A Library Initiative

वीएनआईटी आईआरआईएनएस इंस्टेंस तक पहुँचने के लिए स्कैन करें।

*आलेख स्रोत : https://www.inflibnet.ac.in/

क्या आप जानते हैं?

ओपन एक्सेस थीसिस और डिसर्टेशन (ओएटीडी)

https://oatd.org

- प्रोक्वेस्ट डिसर्टेशन्स एंड थीसिस (PQDT): प्रतिबंधित पहुँच वाली एक व्यावसायिक सेवा।
- एनडीएलटीडी (NDLTD): एक व्यापक कैटलॉग जिसमें ओपन-एक्सेस और प्रतिबंधित ईटीडी दोनों शामिल हैं।
- ओएटीडी (OATD): पूरी तरह से मुफ्त में उपलब्ध स्नातक थीसिस और डिसर्टेशन पर केंद्रित है।

ओएटीडी की महत्वपूर्ण विशेषताएँ

1. व्यापक अनुक्रमण
2. मुफ्त और खुली पहुँच
3. उन्नत खोज क्षमताएँ
4. बहु-विषयक कवरेज
5. वैश्विक रिपॉजिटरी एकीकरण
6. मेटाडेटा-समृद्ध रिकॉर्ड
7. उपयोगकर्ता-अनुकूल इंटरफ़ेस

ओपन एक्सेस थीसिस और डिसर्टेशन (OATD) एक निःशुल्क संसाधन है जो दुनिया भर के विश्वविद्यालयों से स्नातक-स्तरीय थीसिस और डिसर्टेशन तक पहुँच प्रदान करता है। यह एक केंद्रीकृत मंच के रूप में कार्य करता है जहाँ शोधकर्ता, छात्र और शिक्षाविद् बिना किसी पहुँच प्रतिबंध के विद्वतापूर्ण कार्यों का अन्वेषण कर सकते हैं। ओएटीडी विभिन्न संस्थागत रिपॉजिटरी से मेटाडेटा को अनुक्रमित करता है, जिससे कई विषयों में मूल्यवान शोध की खोज करना आसान हो जाता है। खुली पहुँच को बढ़ावा देकर, ओएटीडी ज्ञान साझाकरण को बढ़ाता है, अकादमिक सहयोग को प्रोत्साहित करता है, और शोध की दृश्यता बढ़ाता है। उन्नत खोज विकल्पों के साथ, उपयोगकर्ता कीवर्ड, लेखक, संस्थानों या विषयों के आधार पर प्रासंगिक थीसिस को कुशलता से पा सकते हैं। यह मंच वैश्विक अनुसंधान और शिक्षा पहलों का समर्थन करने में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

5वीं राष्ट्रीय विज्ञान, प्रौद्योगिकी और नवाचार नीति (STIP)

भारत ने 1958, 1983, 2003 और 2013 में चार प्रमुख विज्ञान, प्रौद्योगिकी और नवाचार नीतियां तैयार और कार्यान्वित की हैं, जिनमें से प्रत्येक ने देश के वैज्ञानिक और तकनीकी परिदृश्य को आकार दिया है। 2020 में, जब भारत और पूरी दुनिया कोविड-19 महामारी से जूझ रहे थे, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी) और प्रधान वैज्ञानिक सलाहकार के कार्यालय ने संयुक्त रूप से नवीनतम विज्ञान, प्रौद्योगिकी और नवाचार नीति (एसटीआईपी 2020) की शुरुआत की।

विज्ञान, प्रौद्योगिकी और नवाचार नीति (एसटीआईपी) 2020 एक मसौदा नीति दस्तावेज है जिसे भारत सरकार द्वारा देश में विज्ञान, प्रौद्योगिकी और नवाचार (एसटी एंड आई) के विकास और अनुप्रयोग पर रणनीतिक दिशा प्रदान करने के लिए तैयार किया गया है। यह फोकस के प्रमुख क्षेत्रों की पहचान करने और यह सुनिश्चित करने के लिए एक रोडमैप के रूप में कार्य करता है कि वैज्ञानिक प्रगति सामाजिक और आर्थिक प्रगति में प्रभावी ढंग से योगदान करे।

अधिक जानकारी के लिए स्कैन करे STIP 2020

यह 63-पृष्ठ का दस्तावेज़ महामारी से मिले प्रमुख सबकों को एकीकृत करता है और विज्ञान, प्रौद्योगिकी और नवाचार (ST&I) के माध्यम से 'आत्मनिर्भर भारत' (आत्मनिर्भर भारत) के निर्माण पर ज़ोर देता है। यह समाज के सभी वर्गों को लाभ पहुँचाने के लिए अनुसंधान, नवाचार, समावेशन और प्रौद्योगिकी-संचालित विकास को बढ़ाने की रणनीतियों को रेखांकित करता है।

पुस्तकालय कर्मचारी निर्देशिका

प्रोफेसर (डॉ.) प्रेम लाल पटेल
निदेशक

डॉ. वी. आर. कलमकर
संकायाध्यक्ष (शैक्षिक)

डॉ. अनुपमा कुमार
सह संकायाध्यक्ष (ईटी एंड एलएस)

डॉ. जमील अंसारी
ओएसडी, पुस्तकालय

श्रीमती पूनम हारोड़े
सहायक पुस्तकालयाध्यक्ष

श्री विपिन कुमार
पुस्तकालय और सूचना सहायक

श्री सुहास भोपाले
पुस्तकालय और सूचना सहायक

श्री अमित कुमार
पुस्तकालय और सूचना सहायक

श्रीमती एस. वी. पोतदार
तकनीशियन एसजी-II

श्री एम.डी. जायसवाल
तकनीशियन एसजी-II

श्री नितिन धवले
तकनीशियन एसजी-II

पुस्तकालय सहायक

- कल्याणी पाटील
- पूनम सुरिन
- प्रीती पिल्लई
- स्नेहा गायकवाड़
- दिपक खरोले
- मनिषा उईके

पुस्तकालय प्रशिक्षु

- पोर्णिमा जी. ढोने
- इंदु बी. साहू
- सिमरन ए. हलमारे
- सायली आर. अतकर
- दिगांबर वाई. सोनकुसले
- गजानंद उईके
- प्रियंका डी. कराडे
- साक्षी जी. खाटिक
- निलेश डी. कोकोडे
- विभा पी. मेश्राम
- नितेश पी. डोंगरे

कर्मचारी अद्यतन

श्री यू. डी. सुखदेवे, तकनीशियन एसजी-I, 30 अप्रैल, 2025 को सेवानिवृत्त हुए। उनकी जिम्मेदारियां श्री विपिन कुमार, पुस्तकालय और सूचना सहायक को सौंपी गई हैं।

पुस्तकालय संपर्क जानकारी

ईमेल आईडी :

- प्रशासनिक प्रश्न, MyLOFT (पंजीकरण और पहुंच): librarian@vnit.ac.in, pmharode@vnit.ac.in
- पुस्तकों के अधिग्रहण से संबंधित प्रश्न: acquisitions@library.vnit.ac.in
- ONOS, जर्नल और डेटाबेस से संबंधित प्रश्न: serials@library.vnit.ac.in
- थीसिस और शोध प्रबंध अपलोड से संबंधित प्रश्न: reference@library.vnit.ac.in
- पुस्तकालय ओपेक में तकनीकी कठिनाइयों से संबंधित प्रश्न: technical@library.vnit.ac.in
- पुस्तकालय पंजीकरण, जुर्माना भुगतान और नो ड्यूज से संबंधित प्रश्न: circulation@library.vnit.ac.in

टेलीफोन नंबर:: 0712-280-1362/ 1667/ 1091/1092/ 1094/ 1096/ 1098

वेबसाइट: https://vnit.ac.in/library-and-information-center

संपादकीय बोर्ड

प्रोफेसर (डॉ.) प्रेम लाल पटेल
निदेशक एवं संरक्षक

डॉ. वी.आर. कलमकर
सलाहकार

डॉ. अनुपमा कुमार
संपादक

डॉ. जमील अंसारी
सह-संपादक

श्रीमती पूनम एम. हारोड़े
सह-संपादक

श्री विपिन कुमार
डिजाइन और सामग्री

श्री सुहास भोपाले
डिजाइन और सामग्री

श्री अमित कुमार
डिजाइन और सामग्री

"पुस्तकालय मानव ज्ञान के भंडार और हमारी बौद्धिक विरासत के संरक्षक हैं।" , सर्वपल्ली राधाकृष्णन